शहरी समाचार
नई सोच नई पहल

नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार का प्रकाशन

अप्रैल, 2021 | मासिक | नगरीय बुलेटिन | पृष्ठ : 12 | मूल्य: निःशुल्क

प्रधान मंत्री आवास योजना—शहरी
Pradhan Mantri Awas Yojna-Urban

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

DAY-NULM
Deendayal Antyodaya Yojana-National Urban Livelihoods Mission

आत्मनिर्भर भारत

12,150
स्वयं सहायता समूहों (SHGs) का गठन

68,375
PMAY(U) आवासों का निर्माण पूर्ण

21,465
पीएम स्वनिधि ऋण वितरित

18,794
मुख्यमंत्री श्रमिक योजना (MSY) जॉब कार्ड वितरित

1 अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस विशेष : महिला समूहों द्वारा स्वनिर्मित उत्पादों की लगाई गई प्रदर्शनी

2 "महिला आश्रय गृह" की जागरूकता हेतु नुक्कड़ नाटक का आयोजन

3 झारखंड की महिलाएं हो रहीं हैं सशक्त! योजनाओं का ले रही हैं भरपूर लाभ

4 प्राकृतिक संसाधनो से समृद्ध- गिरिडीह शहर

रांची नगर निगम कार्यालय में आयोजित समारोह में उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित करतीं माननीया महापौर श्रीमती आशा लकड़ा.

महिला दिवस के अवसर पर नगरीय प्रशासन निदेशालय में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लाभुकों के साथ परिचर्चा का आयोजन.

महिला दिवस के अवसर पर नगर पंचायत बुंडू में महिला सफाईकर्मियों एवं प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लाभुकों को सम्मानित किया गया.

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस विशेष

महिला समूहों द्वारा स्वनिर्मित उत्पादों की लगाई गई प्रदर्शनी

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (8 मार्च 2021) के अवसर पर झारखण्ड के विभिन्न नगर निकायों में कई कार्यक्रम का आयोजन किया गया. राँची, मानगो, लोहरदगा, गिरिडीह, चतरा, चाइबासा, बुंडू, जामताड़ा, हुसैनाबाद सहित राज्य के अन्य नगर निकाय कार्यालयों में विभिन्न सहायता समूहों द्वारा हस्त व स्वनिर्मित उत्पादों की प्रदर्शनी लगाई गई.

राँची नगर निगम कार्यालय में आयोजित समारोह में माननीया महापौर श्रीमती आशा लकड़ा, माननीय उप महापौर श्री संजीव विजयवर्गीय, नगर आयुक्त श्री मुकेश कुमार एवं संबंधित अधिकारियों ने भ्रमण कर प्रदर्शनी में लगे उत्पादों का जायजा लिया. इस दौरान महापौर महोदया ने उपस्थित महिलाओं का अभिनंदन किया एवं उनके नेतृत्व को सराहा, साथ ही विभिन्न महिला समूहों को उत्कृष्ट कार्य हेतु सम्मानित किया गया. कार्यक्रम में महापौर महोदया ने कहा कि हर महिला को सशक्त बनना है, ताकि महिलाएं आत्मनिर्भर बनकर स्वरोजगार कर सकें. क्षेत्र स्तरीय संघ (एरिया लेवल फेडरेशन) का गठन हमारे बाजार के लिए जरूरी है इससे हम स्थानीय उत्पादों को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुँचा सकेंगे. उन्होंने यह भी कहा कि रांची नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत अटल स्मृति भवन में स्थित वेंडर मार्केट की दो दुकानें महिला समूहों को आवंटित की जाएगी, इससे महिला समूहों को मुख्य बाजार में अपने उत्पाद बेचने के लिए सुविधा उपलब्ध हो पाएगी.

इसके उपरांत स्वरोजगार कार्यक्रम घटक 1 (SEP1) के तहत कई महिलाओं को ऋण भी प्रदान किया गया. साथ ही महिला लाभुकों को पीएम स्वनिधि के तहत भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण से पंजीकृत कर एवं SWIGGY से जोड़ कर उन्हें लाइसेंस प्रदान किया गया.

राज्य में आयोजित विभिन्न समारोहों में महिला सशक्तिकरण एवं महिला उत्थान को लेकर संदेश दिया गया और बताया गया कि सुदृढ़ और सशक्त समाज के निर्माण हेतु महिलाओं को स्वावलम्बी बनना अति आवश्यक है. स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के स्वरोज़गार को बढ़ावा देने हेतु दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन अंतर्गत स्वंय सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित वस्तुओं एवं सामग्रियों को ''फ्लिपकार्ट समर्थ योजना'' से जोड़कर आत्मनिर्भर एवं आजीविका में सुधार लाने के निमित्त विशेष रूप से सम्मानित किया गया.

रांची नगर निगम कार्यालय में आयोजित समारोह में माननीया महापौर श्रीमती आशा लकड़ा, माननीय उप महापौर श्री संजीव विजयवर्गीय, नगर आयुक्त श्री मुकेश कुमार एवं संबंधित अधिकारियों ने भ्रमण कर प्रदर्शनी में लगे उत्पादों का जायजा लिया.

देवघर नगर निगम में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विशेष शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया. जिसका मुख्य उद्देश्य समाज में महिलाओं को सदृढ़ बनाना, कन्या भ्रुण हत्या रोकना, दहेज प्रथा का बहिष्कार करना इत्यादि था. कार्यक्रम में PMAY (U) एवं DAY NULM योजना अंतर्गत महिला लाभुकों को सम्मानित भी किया गया.

महिला दिवस पर आवासन एवं शहरी विकास मंत्रालय के माननीय सचिव श्री दुर्गा शंकर मिश्रा द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), मानगो नगर निगम की लाभुक श्रीमती बनफूल धरा एवं उनके पति श्री संजय धरा से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वार्ता किया गया. माननीय सचिव महोदय ने आवास बनने के बाद उनके जीवन में आए परिवर्तन के बारे में जाना. इस दौरान लाभुक ने अपनी बेबस जिंदगी से निजात पाने के उपरांत अपनी प्रसन्नता व्यक्त की. ज्ञात हो की बेहतर आवास निर्माण हेतु उक्त लाभुक को प्रधानमंत्री महोदय द्वारा पुरस्कृत भी किया गया है.

पीडीएस दुकान चलाती सेहरा खातून.

सेहरा खातून द्वारा संचालित स्वंय सहायता समूह की बैठक.

झारखंड की महिलाएं हो रहीं हैं सशक्त! योजनाओं का ले रही हैं भरपूर लाभ

झारखंड सरकार की महत्त्वकांक्षी योजनाओं का लाभ उठा कर राज्य की महिलाएं सशक्त हो रही है और स्वलम्बी बनकर अपना जीविकोपार्जन कर रही है. ये कहानी रांची नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत स्वंय सहायता समूह के बेसहारा महिला सेहरा खातून की है, जिसने मुश्किल हालत का सामना करते हुए अपने आप को सशक्त बनाया. सेहरा खातून द्वारा बताया गया कि वे बडगाई, बरियातु, रांची की स्थानीय निवासी हैं और उनके पति की मृत्यु अचानक एक बड़े हादसे में हो गई थी. अपने तीन साल के बच्चे के साथ पूरी तरह से बेसहारा हो गई थी. उसकी स्कूल की पढ़ाई तीसरी तक हुई थी. उसकी स्कूल की पढ़ाई तीसरी तक हुई थी और हुनर का अभाव था. जिस कारण सेहरा शुरुआत में घर चलाने के लिए चुड़ियाँ बेचने लगी. इसी दौरान स्वंय सहायता समूह की दीदी ने उन्हें नगरीय प्रशासन निदेशालय द्वारा संचालित दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के विभिन्न घटकों की जानकारी दी और योजना का लाभ उठाने के लिए प्रेरित किया. सेहरा ने तुरंत बड़गई में एक स्वंय सहायता समूह बनाई और उसका संचालन करने लगी. धीरे धीरे सेहरा खातून सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी लेने लगी और इसी बीच उन्होनें कुछ महिलाओं के साथ मिलकर एक जन वितरण प्राणली (पीडीएस) दुकान शुरू कर दिया. जब समूह को पीडीएस दुकान को सही से चलाने के लिए और पूंजी की जरूरत पड़ी तो सेहरा खातून ने रांची नगर निगम के दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के स्वरोजगार कार्यक्रम घटक (1) का फॉर्म भरकर ऋण के लिए आवेदन किया. आवेदन प्राप्त होते ही निगम कार्यालय ने बैंक से समन्वय स्थापित कर लोन की प्रक्रिया प्रारम्भ कर दी. संबंधित दस्तावेजों की जांच के पश्चात बडगाई स्वंय सहायता समूह को पचास हजार रुपए ऋण आसानी से उपलब्ध हो गया. आज सेहरा और समूह की अन्य सदस्य, समय पर बैंक को ऋण भी चुका रही हैं और सफलतापूर्वक पीडीएस दुकान चला रही हैं. वर्तमान में सेहरा खातून बेहद खुश हैं.

दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन ने सेहरा खातून की जिंदगी में लाई खुशियाँ

> मैं राँची नगर निगम के DAY NULM अंतर्गत SEP-I घटक योजना को धन्यवाद करती हूँ कि नगर निगम द्वारा प्राप्त ऋण से मैं सशक्त बनी एवं मेरे जैसी बेसहारा लोगों को रोजगार मिला और आज मैं समूह के साथ जुड़कर काफी खुश हूं.
>
> -सेहरा खातून

नयी सोच नयी पहल

'नगर पंचायत आपके द्वार' कार्यक्रम के तहत अब होगा ऑन द स्पॉट समस्याओं का समाधान

जामताड़ा नगर पंचायत द्वारा नगरवासियों का ऑन द स्पॉट समस्या का समाधान करने हेतु नयी पहल ''नगर पंचायत आपके द्वार'' कार्यक्रम शुरू किया गया है. इस कार्यक्रम के तहत नगर पंचायत के वार्ड संख्या 6 में जलापूर्ति योजना में हो रही समस्याओं का समाधान एवं सुझाव को लेकर वार्ड पार्षद पुष्पा कुमारी के नेतृत्व में कैंप लगाया गया. उक्त कैंप में मोहल्ले वासियों द्वारा अपना बकाया राशि जमा किया गया. इस दौरान लोगों ने अपनी अपनी सुझाव व समस्याओं को भी रखा. कैंप में मुख्य रूप से उपस्थित नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीना कुमारी ने कहा कि, प्रत्येक वार्ड में जलापूर्ति से संबंधित समस्याओं के समाधान एवं उनकी बकाया राशि जमा करवाने हेतु इस तरह का कैंप आयोजित किया जा रहा है. इससे कनेक्शन धारियों को काफी सुविधा मिलेगी. इस पहल का मुख्य उद्देश्य है कि कनेक्शन धारियों को कार्यालय का चक्कर ना काटना पड़े और वह अपने ही मोहल्ले में ऑन द स्पॉट विभिन्न समस्याओं का समाधान पा सके.

ऑनलाइन मंच 'फ्लिपकार्ट' ने स्वयं सहायता समूह के उत्पादों को दी नयी पहचान

झारखंड के रांची जिला अंतर्गत ग्वाला टोली डोरंडा की किरण महिला समिति, द्वारा बनाए गए उत्पाद शिफॉन, फ्लोरल प्रिंट, विभिन्न रंगो के दुपट्टे की बिक्री फ्लिपकार्ट में ऑनलाइन होने लगी है. दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रिय शहरी आजीविका मिशन के तहत संचालित विभिन्न स्वंय सहायता समूह की महिलाओं के लिए यह बड़ी उपलब्धि है. योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से महिलाओं को सशक्त बनाने एवं उनके आजीविका में सुधार लाने हेतु पहल है, जो महिलाओं के लिए वरदान साबित होगी.

ज्ञात हो कि राज्य में फ्लिपकार्ट समर्थ योजना की शुरुआत की गयी है, जिसके तहत स्वंय सहायता समूहों द्वारा बनाए गए उत्पादों को ऑनलाइन बेचा जा रहा है. अब देश के साथ विदेशों में भी महिलाओं द्वारा तैयार हस्तशिल्प और स्वनिर्मित स्थानीय उत्पादों को ऑनलाइन, फ्लिपकार्ट के माध्यम से खरीदा जा सकता है. पूर्व में महिलाओं को गली मोहल्ले में उत्पाद बेचने के लिए काफी संघर्ष का सामना करना पड़ता था.

"आनि कुष्ठ कॉलोनी आवासीय परियोजना"

राँची में प्रस्तावित योजना

वर्तमान अवस्था.

प्रस्तावित परियोजना.

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत राँची में प्रस्तावित "आनि कुष्ठ कॉलोनी आवासीय परियोजना" के तहत 256 आवासों का निर्माण नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार द्वारा किया जा रहा है. जिसका उद्देश्य राँची नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत झुग्गियों में रहने वाले कुष्ठ रोगियों को पक्का मकान उपलब्ध कराना है.

झुग्गियों मे जीवन यापन करना बहुत मुश्किल होता है, खाने रहने के साथ साथ बच्चों का परवरिश करना लाचारी से कम नहीं है, रांची में कई ऐसे कुष्ठ रोगी हैं जो बेबस जिंदगी जीने को मजबूर हैं. झारखण्ड सरकार द्वारा ऐसे मजबूर लोगों की सुध ली गयी और इनकी लाचार जिंदगी को सँवारने का जिम्मा लिया गया. प्रस्तावित परियोजना अंतर्गत रांची नगर निगम में निवास कर रहे कुष्ठ रोगियों को उन्हें उनका आशियाना उपलब्ध कराकर स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ्य जीवन व्यतीत करने के लिए प्रोत्साहित करना है. इससे पहले झारखण्ड राज्य के देवघर में 'काली रेखा कुष्ठ आश्रम' एवं जमशेदपुर में 'नवजीवन कुष्ठ आश्रम' का निर्माण प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत किया गया है. देवघर में 64 आवासों का निर्माण कराया गया है जहां भिक्षाटन करने वाले बेबस लाचार लोगों को रहने के लिए पक्का आवास दिया गया है. इस योजना के तहत जमशेदपुर में भी कुष्ठ रोगी परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराया गया है.

राँची में प्रस्तावित आवासीय परियोजना का विवरण

1.	परियोजना स्थल	आनि, एचईसी, धुर्वा, राँची
2.	परियोजना का क्षेत्र	5 एकड़ में
3.	कुल प्रस्तावित आवास	256
4.	भवन का निर्माण	G+1
5.	प्रति फ्लैट का आंतरिक विवरण	1 लिविंग रूम, 1 बेडरूम, 1 रसोईघर, 1 बाथरूम, 1 शौचालय
6.	आवासीय परिसर में सुविधाएं	पक्की सड़क, बिजली, पीने का शुद्ध जल, आदि

एसयूएसवी घटक अंतर्गत शहरी पथ विक्रेताओं के प्रशिक्षण देने हेतु तीन एजेंसियों का चयन

प्रस्तुतीकरण के दौरान चयन समिति के अधिकारीगण.

दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के SUSV घटक अंतर्गत झारखंड के 50 नगर निकाय में से 140 शहरी पथ विक्रेताओं को दो दिवसीय प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा. इसी क्रम में दिनांक 27-03- 2021 को नगरीय प्रशासन निदेशालय की अध्यक्षता में गठित निदेशालय स्तरीय चयन समिति के समक्ष कुल 15 में से 14 प्रशिक्षण प्रदाता एजेंसियों ने प्रस्तुतीकरण कार्यक्रम में भाग लिया. इन एजेंसियों का चयन FSSAI द्वारा किया गया था. बैठक में निदेशक, नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर आयुक्त धनबाद, सहायक निदेशक दीनदयाल अंत्योदय योजना राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन, विशेष पदाधिकारी जमशेदपुर अक्षेस एवं प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी के राज्यस्तरीय विशेषज्ञ उपस्थित थे. निर्धारित अहर्ता एवं अंकानुसार चयन समिति ने कुल 3 प्रशिक्षण प्रदाताओं (1)फूड सेफ्टी अवेयरनेस एंड ट्रेनिंग ऑर्गेनाइजेशन, (2) क्वांटस मैनेजमेंट सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड एवं (3) खालसा स्केल एंड प्लेसमेंट सर्विस प्राइवेट लिमिटेड को अंततः चयनित किया गया. उक्त एजेंसियाँ DAY-NULM के SUSV घटक अंतर्गत 50 नगर निकायों में चिन्हित पथ विक्रेताओं को दो दिवसीय प्रशिक्षण प्रदान करेगी. सूचीबद्धता की तिथि आदेश निर्गत की तिथि से एक वर्ष के लिए मान्य होगी. इस कौशल प्रशिक्षण को प्राप्त कर पथ विक्रेता जमीनी स्तर पर मजबूत होंगे और अपने आय में वृद्धि कर सकेंगे.

"नेकी की दीवार" असहायों को मिल रहा तन ढकने के लिए कपड़ा

नगर आयुक्त, देवघर नगर निगम की अनोखी सोच व सकारात्मक पहल का परिणाम है "नेकी की दीवार".

नगर आयुक्त, देवघर नगर निगम के द्वारा क्षेत्र भ्रमण के दौरान कुछ ऐसे व्यक्ति पाये गए जिनके पास पहनने के लिए ढंग के कपड़े नहीं थे, पैरों में चप्पल नहीं थी, उसी वक्त नगर आयुक्त ने संबंधित पदाधिकारी को "नेकी की दीवार" बनाने हेतु स्थल चयन का आदेश दिया. एक सप्ताह के अंदर स्थल का चयन किया गया व "नेकी की दीवार" की शुरुआत की गई जिसका मुख्य उद्देश्य यह है कि जिनके पास अनुपयोगी पहनने योग्य साफ सुथरे कपड़े हैं वे व्यक्ति अपने कपड़े नेकी की दीवार पर छोड़ जाएँगे एवं जिन व्यक्तियों को कपड़े की आवश्यकता है वे यहाँ से कपड़े ले सकते हैं. ठंड, गर्मी और बरसात सारे मौसम में गरीब और असहाय लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था. उनको राहत पहुंचाने के लिए यह पहल काफी मददगार है.पहले चरण में नगर निगम के पुराने कार्यालय जसीडीह, मुख्य मार्ग में दक्षिण दिशा के बाहरी दीवार पर कपड़ा रखने के लिए तार लगाई गयी है. नेकी की दीवार की शुरूआत होते ही लोगों में काफी उत्साह देखा गया एवं 3 दिनों के अन्दर 20 जोड़ी कपड़े नेकी की दीवार पर दान दिए गए एवं काफी संख्या में उपयोगी कपड़े वहां से जरूरतमंदों द्वारा ले जाया गया। इस पहल से गरीबों को काफी राहत मिली है व फायदा हो रहा है.

नगर आयुक्त श्री शैलेंद्र कुमार लाल ने जानकारी दी कि, वर्तमान में नेकी की दीवार का संचालन नगर निगम के द्वारा किया जा रहा है, आगे चलकर इस कार्यक्रम को विभिन्न बैंको से जोड़ा जाएगा. हालांकि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया इसमें अपनी सहभागिता निभाने के लिए तैयार है जिसे वह अपने सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी फंड के द्वारा चलाएगा.

देवघर नगर निगम के पुराने कार्यालय के पास कपड़ा रखने के लिए लगी "नेकी की दीवार".

'रमणीक राँची अभियान' ने राँची की सुन्दरता में लगाया चार चाँद

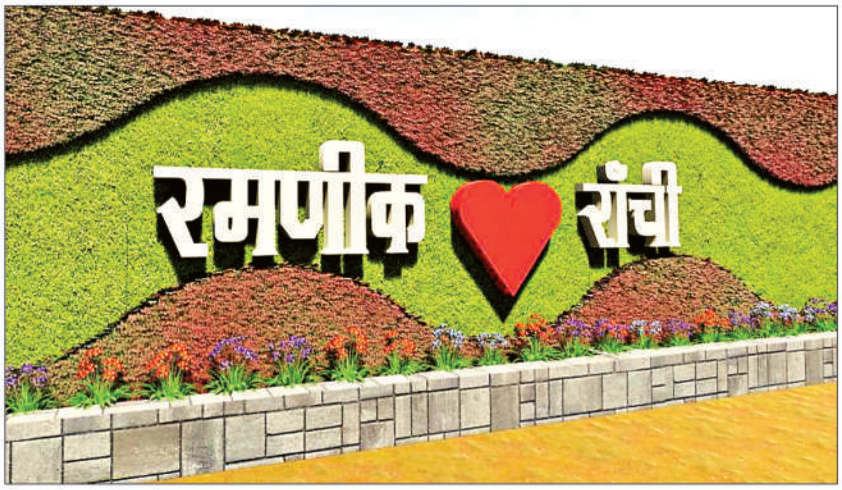

शहर की दीवार पर रमणीक राँची की आकर्षक प्रस्तुति.

अभियान के तहत बेकार दीवारों को सजा कर किया गया तैयार .

झारखंड के शहरों की सुंदरता बढ़ाने हेतु राज्य सरकार द्वारा कई महत्वपूर्ण अभियान चलाये जा रहे हैं. इसके तहत राँची नगर निगम की सकारात्मक पहल है 'रमणीक रांची'. रमणीक का मूल अर्थ है 'सुंदर' एवं इस अभियान के तहत शहर के उन जगहों, जहां हजारों लोग रोज आते-जाते हैं, को सुंदर बनाया जा रहा है.

दीवारों पर आकर्षक कलाकृतियाँ आमतौर पर पश्चिमी देशों में दीवारों पर उकेरी जाती हैं, परन्तु अब इसे झारखण्ड राज्य में भी किया जा रहा है. राज्य सरकार राँची को पर्यटन का केंद्र बनाना चाहती है, इसलिए राजधानी में सौंदर्यीकरण का काम काफी तेजी से किया जा रहा है. कई स्थानों को सेल्फी पॉइंट के रूप में भी तैयार किया गया है.

झारखंड राज्य अपनी प्राकृतिक सुंदरता और खनिज संपदा के लिए प्रसिद्ध है, इसलिए राज्य सरकार 'रमणीक रांची' अभियान के अंतर्गत यहाँ की प्राकृतिक सुन्दरता एवं सांस्कृतिक विरासत को दीवारों पर चित्रकारी के माध्यम से उकेर रही है. अभियान के तहत शहर की बेकार, गंदी, दाग-धब्बेदार सड़कों-दीवारों पर खूबसूरत चित्रकारी उकेरी जा रही है जिसमे झारखंड की सांस्कृतिक विरासत को देखा जा सकता है. दीवारों को आकर्षक रुप देकर सुंदर-सुंदर कलाकृतियों से सजाकर तैयार किया जा रहा है, जिससे राज्य की जनता यहाँ आने वाले लोग सांस्कृतिक विरासत को जान सकें, साथ ही स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होने की प्रेरणा ले सकें. इसके अलावा रोड डिवाइडरों के बीच ज्यादा से ज्यादा पेड़ पौधे भी लगाये जा रहे हैं .

'रमणीक रांची' के नवनिर्माण के लिए सिविल सोसाइटी द्वारा भी जागरूकता अभियान चलाकर मुहिम में शामिल होने की अपील की जा रही है . इस दिशा में व्यापक स्तर पर नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, संगठन, संस्थानों, समूह, शिक्षा जगत, स्वास्थ्य, पर्यावरण एवं अन्य क्षेत्रों में सक्रिय प्रबुद्ध लोगों से संवाद स्थापित कर सहयोग मांगा जा रहा है.

इसके अलावा राज्य सरकार द्वारा सड़क के डिवाइडरों पर ज्यादा से ज्यादा पौधारोपण किए जाने पर भी ज़ोर दिया जा रहा है, ताकि प्रदूषण पर नियंत्रण पाया जा सके और यात्रियों को स्वच्छ वायु मिल सके. इसके अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु राज्य में कार्यरत गैर सरकारी संगठनों को भी आवश्यक संसाधन मुहैया कराया जा रहा है.

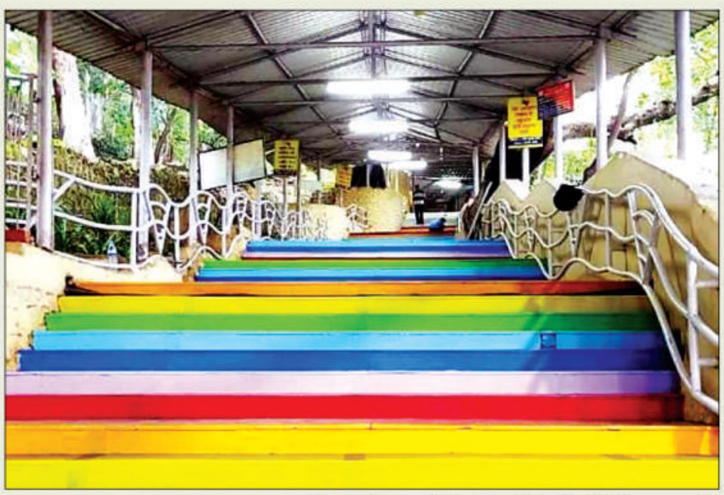

अभियान के तहत राँची पहाड़ी मंदिर की सीढियों का आकर्षक रंग-रोगन व शहर की दीवार पर बनायीं गई खूबसूरत कलाकृति.

''जहां चाह वहाँ राह''

मेहनत और कुछ अलग कर गुजरने की सोच से कचड़े से निर्माण किया पेवर्स ब्लॉक

डम्पिंग यार्ड के कचरे से पेवर्स ब्लॉक बनाते इंजीनियर सुनील सिंह.

जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र समिति के नगर प्रबंधक रवि भारती ने कचरे के निष्पादन हेतु अनूठी पहल की, जिसे साकार किया सिदगौड़ा निवासी इंजीनियर सुनील सिंह ने. पेशे से मैकेनिकल इंजीनियर सुनील सिंह मशीन निर्माण करने का कार्य करते हैं जिनकी मदद से सोनारी मरीन ड्राइव स्थित डंपिंग यार्ड के कचरे से पेवर्स ब्लॉक का निर्माण किया जा रहा है. पूर्वी सिंहभूम जिले के जमशेदपुर नगर निगम, मानगो नगर निगम और जुगसलाई नगर परिषद में कचरा डंपिंग को लेकर समस्या बनी रहती है. भविष्य में कचरा निष्पादन एवं जिले को प्रदूषण मुक्त बनाने हेतु यह पहल काफी उपयोगी साबित होगी. सुनील सिंह, प्लास्टिक, बोतल और बालू की सही मात्रा का प्रयोग कर पेवर्स ब्लॉक का निर्माण करते हैं. जमशेदपुर अधिसूचित क्षेत्र के विशेष पदाधिकारी श्री कृष्ण कुमार जी ने सुनील सिंह का मनोबल बढ़ाते हुए इस सकारात्मक एवं अनोखी सोच को काफी सराहा है.

कचरों से निर्मित पेवर्स ब्लॉक का प्रयोग सड़क के फुटपाथ, पार्क के फुटपाथ एवं गली के निर्माण में किया जा सकता है. अभी तक प्लास्टिक से बनने वाले सड़क में 5 से 10 % प्लास्टिक का इस्तेमाल किया जाता था परंतु इस पेवर्स ब्लॉक के निर्माण में 25 % अपशिष्ट प्लास्टिक और बोतल का प्रयोग किया गया है. तकनीकी और गुणवत्ता की जांच करने के उपरांत पेवर्स ब्लॉक का इस्तेमाल किया जा सकेगा. ज्ञात हो कि पूर्वी सिंहभूम को प्रदूषण मुक्त जिला बनाने हेतु नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड द्वारा कई योजनाओं का संचालन किया जा रहा है. आधुनिक तकनीकों के मदद से शहर को अनुकूल वातावरण देने हेतु सरकार प्रयासरत है.

''ईमानदारी से किया हुआ कोई भी कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता''

राँची नगर निगम क्षेत्र अंतर्गत डोरंडा केन्द्रीय विद्यालय के समीप गौरीशंकर शाह जी पिछले 10 वर्षों से लिट्टी का ठेला लगाकर अपने परिवार का जीविकोपार्जन कर रहें हैं. वर्तमान समय में वो बाबा महात्मा लिट्टी शॉप के नाम से लिट्टी चोखा बेचकर महीने में लगभग 20,000 रु की आमदनी का व्यापार करते हैं. 15 रुपए में 2 लिट्टी का स्वाद लेने दूर दूर से लोग इनके पास आते हैं.

गौरी शंकर जी ने फुटपाथ विक्रेता के रूप में अपने जीवन का लंबा समय दिया है. उनके परिवार में पत्नी सहित 2 बच्चे हैं, पत्नी काम में हाथ बटाती है और बच्चे अभी स्कूल में पढ़ रहे हैं. वो अपने बच्चों को सिविल सेवक बनाना चाहतें हैं और इसके लिए उनको अभी से ही तैयार कर रहे हैं. साधारण जीवन व्यतीत करते हुए उनके जीवन में काफी उतार चढ़ाव आया लेकिन उन्होंनें कभी हिम्मत नहीं हारी. दस वर्ष पूर्व उनका होटल हुआ करता था जो आर्थिक समस्या के कारण बंद हो गया था. फिर इन्होनें लिट्टी-चोखा का ठेला लगाने कि सोची जो कि वर्तमान समय में स्थायी रूप से चल रहा है. फुटपाथ विक्रेता के रूप में उनका जीवन आज लोगों के लिए प्रेरणा का श्रोत बन गया हैं. आज वो सेवा भावना के साथ लोगों को लिट्टी चोखा खिलाकर अपना जीवन यापन कर रहे हैं. कुछ दिन पूर्व ही उन्हें निदेशालय में अपना स्टॉल लगाने का अवसर दिया गया था, जहाँ उन्हें अच्छी आमदनी हुई. इसके लिए उन्होनें निदेशालय के सभी सदस्यों के प्रति आभार प्रकट किया. गौरी शंकर जी अपने व्यापार को और गति देना चाहते हैं और लिट्टी चोखा को ऑनलाइन माध्यम से बेचने हेतु प्रयास कर रहें हैं. इन्होनें पीएम स्वनिधि योजना के तहत आवेदन भी किया है. तथा इनको कैनरा बैंक के माध्यम से 10,000 रुपए की ऋण कार्यशील पूंजी के रूप में प्रदान किया गया है. सरकार के इस सहयोग से गौरी शंकर जी बहुत खुश हैं एवं अपने व्यापार को और बढ़ाना चाहतें हैं.

बाबा लिट्टी शॉप
संघर्ष और मेहनत ने दिलाई अपनी पहचान

अपने दुकान में लिट्टी चोखा बेचते हुए गौरी शंकर शाह जी.

कुछ दिन पूर्व नगरीय प्रशासन निदेशालय में लगी लिट्टी की स्टॉल.

पर्यावरण संरक्षण हेतु राँची में ''हर शनिवार नो कार'' अभियान की शुरुआत

अभियान के तहत माननीय कृषि मंत्री श्री बादल पत्रलेख, नगर आयुक्त श्री मुकेश कुमार एवं अन्य साइकिलिंग करते हुए.

राजधानी राँची को प्रदुषण मुक्त बनाने कि मुहिम के तहत रांची नगर निगम द्वारा 13 मार्च 2021 को ''शनिवार नो कार' अभियान की शुरुआत की गयी. नगर आयुक्त श्री मुकेश कुमार ने राजधानी को खूबसूरत बनाने और साइकिलिंग को बढ़ावा देने हेतु कई बिंदुओं पर चर्चा की . नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि, उनकी योजना है कि राजधानी की प्रमुख सड़कों पर साइकिल ट्रैक बनाया जाएगा, जिससे साइकिलिंग को बढ़ावा मिलेगा क्योंकि अभी लोग दुर्घटना के डर से साइकिल के इस्तेमाल से डरते हैं.

प्रदूषण के कारण रांची का तापमान पहले से काफी ज्यादा बढ़ गया है सड़क पर वाहनों की संख्या बढ़ने से प्रदूषण में इजाफा हो रहा है इसलिए सभी को चाहिए कि वे नगर निगम के शनिवार नो कार अभियान का समर्थन करें और कम से कम शनिवार को कार का प्रयोग कम से कम करें. थोड़ी दूर चलना है तो साइकिल से ही यात्रा की जाए इससे प्रदूषण को कम करने में मदद मिलेगी.

नगर आयुक्त महोदय ने कहा कि शनिवार का एक दिन सांकेतिक दिन है जिसे हमें अपने जीवन में शामिल करना है. कार के उपयोग पर कोई पाबंदी नहीं है, निगम का उद्देश्य केवल इतना है कि रांची में शनिवार का दिन कम हॉर्न वाला हो. इससे बढ़ती ट्रैफिक समस्या से भी निजात मिलेगा व पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण के साथ-साथ सेहत के लिए भी यह फायदेमंद है. यदि यह अभियान सफल होता है, तो अगले 20 सालों में रांची दोबारा ग्रीष्मकालीन राजधानी बन जायेगी. साथ ही साथ पेट्रोल के रूप में जेब खर्च पर भी कुछ राहत मिलेगी. कार्यक्रम स्थल पर सेल्फी प्वाइंट भी बनाया गया था, जहां लोग शनिवार नो कार के पोस्टर के साथ तस्वीर ले रहे थे. इसके अलावा मौके पर अभियान के समर्थन में हस्ताक्षर करने की व्यवस्था भी की गई थी.

अभियान के सहयोग में विधानसभा अध्यक्ष श्री रवीन्द्रनाथ महतो जी साइकिल चलाकर विधानसभा पहुंचे . लोगों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि, 'साइकिल के प्रचलन से वायु प्रदूषण के नियंत्रण में जन भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा. इस दो पहिये की सबसे बड़ी खासियत यह कि, एक पहिया से आपका काम तो दूसरे पहिया से व्यायाम होगा.'

झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा अभियान का समर्थन किया जा रहा है. शहर के लोगों की भी अभियान के तहत रुचि बढ़ रही है.

साइकिल चलाने वालों का रखा जाएगा विशेष ख्याल

रांची में लगभग 45 फीसदी लोग साइकिल से या पैदल सफर करते हैं. निगम द्वारा साइकिल चलाने वालों के लिए योजनाएं बनायी जायेंगी. जैसे, सड़कों पर ट्रैक बनाए जाएंगे, साइकिल का रेट भी कम किया जाएगा, ताकि साइकिलिंग को बढ़ावा मिल सके. इसके लिए सर्वेक्षण जारी है . अभी नगरवासी मोबाइल एप के माध्यम से स्मार्ट साइकिल शेयरिंग सिस्टम में साइकिलिंग का लाभ उठा रहे हैं .

गिरिडीह नगर निगम में PMAY(U) घटक-3 के तहत करहरबाड़ी किफ़ायती आवास परियोजना अंतर्गत आवास आवंटन एवं लोन मेला कार्यक्रम

दिनांक 25-03-2021 को नगर भवन गिरिडीह में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) घटक-3 के तहत भागीदारी में किफायती आवास परियोजना अंतर्गत आवास आवंटन एवं लोन मेला का कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें उपायुक्त गिरिडीह श्री राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में आवास आवंटन की प्रक्रिया लॉटरी के माध्यम से की गयी.

कार्यक्रम में आवास आवंटन एवं लोन मेला के तहत कुल 214 लोगों का पंजीकरण किया गया. आवास आवंटन की प्रक्रिया के तहत कुल 129 लोगों को आवास आवंटित किया गया साथ ही विभिन्न बैंकों के प्रतिनिधियों के द्वारा लोन की प्रक्रिया भी प्रारम्भ की गई ताकि जल्द से जल्द लोगों को आवास उपलब्ध कराया जा सके. कार्यक्रम में मुख्य रूप से नगरीय प्रशासन निदेशालय की निदेशक महोदया विजया जाधव के द्वारा भागीदारी किफायती आवास परियोजना अंतर्गत प्राप्त लोन पर विस्तृत चर्चा की गयी. कार्यक्रम में मुख्य रूप से उप नगर आयुक्त श्री रोहित कुमार सिन्हा, नगर निगम गिरिडीह के उपमहापौर प्रकाश राम, विभागीय सहायक निदेशक श्री शैलेश प्रियदर्शी उपस्थित थे.

विदित हो कि गिरिडीह नगर निगम के करहबाड़ी में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के तहत कुल 190 फ्लैट का निर्माण किया जा रहा है, जिसमें लाभुक अंशदान प्रति फ्लैट मात्र 3.75 लाख रुपए हैं.

आयोजित लोन मेला में लाभुक को आवास आवंटन पत्र देते उपायुक्त महोदय.

लेखा पदाधिकारी, नगरीय प्रशासन निदेशालय हुए सेवानिवृत्त

श्री मिश्रा के लंबे कार्यानुभव का विभाग को मिला बहुत लाभ

नगरीय प्रशासन निदेशालय की निदेशक महोदया की अध्यक्षता में, 30 जून 2017 से नगरीय प्रशासन निदेशालय में लेखा पदाधिकारी के पद पर कार्यरत श्री कृष्णा नन्द मिश्रा के सेवानिवृत्त (दिनांक 31.03.2021 को) के अवसर पर, सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया. सम्मान समारोह में निदेशालय की निदेशक महोदया, सहायक निदेशक सहित अन्य सभी कर्मी भी उपस्थित थे.

सेवानिवृत्त श्री कृष्णा नन्द मिश्रा.

श्री मिश्रा के लम्बे कार्यानुभव का नगरीय प्रशासन निदेशालय को बहुत लाभ मिला. श्री मिश्रा अपने कार्य के प्रति सदैव दृढ़ संकल्पित थे , निष्ठा और ईमानदारी के साथ सौंपे गए कार्यों को पूरा किया करते थे. उम्र बढ़ने के बाद भी उनके अंदर कार्य करने की जुनून और ऊर्जा सभी को प्रेरणा देती है. इनके कार्यकाल में बही खाता में उल्लेखनीय सुधार हुआ . वेतन एवं अन्य भुगतान ससमय नियमानुसार किया जाता रहा है. राज्य के सभी निकायों में योजना से संबंधित निधि हस्तांतरण एवं निगरानी सही तरीके से होता रहा है. इनके कार्यकाल में दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन तथा प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) योजनाओं का विगत तीन वर्षों का लेखापरीक्षा (audit) संपन्न कराया गया.

सम्मान समारोह में उपस्थित नगरीय प्रशासन निदेशालय कि टीम.

श्री के.एन.मिश्रा अपने जीवन के लगभग 45 वर्ष तक लेखा, वित्त, बजट, ऑडिट, कर एवं निविदा निष्पादन क्षेत्र में अपनी सेवा देने के उपरांत सेवानिवृत्त हुए. अपने सेवा काल के दौरान उन्होंने विभिन्न चार्टड अकाउंटेंट फर्म, प्राइवेट कंपनी, कोल इंडिया, नगरीय प्रशासन निदेशालय, इत्यादि संस्थाओं में अपनी सेवाएं प्रदान की . कोल इंडिया की अनुषंगी इकाई सेंट्रल माइन प्लानिंग एंड डिजाइन इन्स्टीच्यूट (सीएमपीडीआई) में लगभग 30 वर्ष वित्त संबंधित कार्य करते हुए वित्त प्रबंधक के पद से सेवानिवृत हुए. सेवानिवृत सम्मान समारोह में नगरीय प्रशासन निदेशालय की निदेशक महोदया ने जीवन की अगली पारी हेतु श्री के.एन.मिश्रा को शुभकामनाएं प्रदान करते हुए उनके स्वस्थ जीवन हेतु कामना की.

नगरीय प्रशासन निदेशालय में कार्यकाल
लगभग 4 वर्ष : 30 जून 2017 - 31 मार्च 2021

शैक्षणिक उपलब्धियां
बी.कॉम, चार्टड अकाउंटेंट, एल.एल.बी, एवं एम.बी.ए(वित्तीय)

नगर विकास विभाग के पदाधिकारियों का हुआ स्थानांतरण/पदस्थापन

नगर विकास एवं आवास विभाग में झारखंड प्रशासनिक सेवा के 7 पदाधिकारियों का स्थानांतरण/पदस्थापन किया गया है. राज्यपाल के आदेश से सरकार के संयुक्त सचिव श्री मनोहर मराण्डी जी द्वारा दिनॉंक 25 मार्च 2021 को इससे संबंधित अधिसूचना जारी की गयी. ज्ञात हो कि अधिकारीगण प्रोन्नति के बाद पदस्थापन के इंतजार में थे. कई पदस्थापित अधिकारियों को एक निकाय के अलावा अन्य नगर निकायों के अतिरिक्त प्रभार भी दिया गया है.

इन अधिकारियों का हुआ स्थानांतरण/पदस्थापन

क्र.सं	नाम/ पदनाम	वर्तमान पदस्थापन	नवपदस्थापित स्थान
1	श्रीमती शीतल कुमारी झा.प्रा.से.	पदस्थापन की प्रतीक्षा में	सहायक नगर आयुक्त, रॉंची नगर निगम
2	श्रीमती कंचन कुमारी भुदोलिया, झा.प्रा.से.	पदस्थापन की प्रतीक्षा में	• कार्यपालक पदाधिकारी साहेबगंज नगर परिषद • कार्यपालक पदाधिकारी, राजमहल नगर पंचायत का अतिरिक्त प्रभार.
3	श्री राहुल जी आनंद जी, झा.प्रा.से.	• कार्यपालक पदाधिकारी बासुकीनाथ नगर पंचायत • कार्यपालक पदाधिकारी, दुमका, नगर परिषद का अतिरिक्त प्रभार.	सहायक नगर आयुक्त, हजारीबाग नगर निगम
4	श्री संजय कुमार, झा.प्रा.से.	सहायक निदेशक, नगरीय प्रशासन निदेशालय.	• कार्यपालक पदाधिकारी गढ़वा नगर परिषद • कार्यपालक पदाधिकारी, मंझिआंव नगर पंचायत का अतिरिक्त प्रभार.
5	श्री गंगाराम ठाकुर, सहायक अभियंता	कार्यपालक पदाधिकारी, पांकुड़ नगर परिषद.	• कार्यपालक पदाधिकारी दुमका, नगर परिषद • कार्यपालक पदाधिकारी, बासुकीनाथ नगर पंचायत का अतिरिक्त प्रभार.
6	श्री कामदेव दास, सहायक अभियंता	सहायक अभियंता, मानगो नगर निगम.	• कार्यपालक पदाधिकारी जामताड़ा नगर पंचायत, • कार्यपालक पदाधिकारी, मिहिजाम नगर परिषद का अतिरिक्त प्रभार.
7	श्री अरुण कुमार भारती, सहायक अभियंता	कार्यपालक पदाधिकारी, फुसरो, नगर परिषद.	कार्यपालक पदाधिकारी, पांकुड़ नगर परिषद.

राँची नगर निगम की ख़ास पहल 'पिंक बस सेवा' महिलाओं को मिला सम्मान, अब सुरक्षित माहौल में करेंगी यात्रा

बसों को पिंक झंडी दिखाकर रवाना करते महापौर श्रीमती आशा लकड़ा, उप महापौर श्री संजीव विजयवर्गीय एवं नगर आयुक्त श्री मुकेश कुमार.

पिंक बस सेवा से सम्मान पाकर नगर निगम राँची की महिलाओं द्वारा हर्ष जाहिर किया गया.

राँची में महिलाओं को सुरक्षित यातायात मुहैया कराने हेतु रांची नगर निगम की तरफ से विशेष बस सेवा पिंक सिटी बस सर्विस प्रारंभ की गई है. इस सेवा के तहत फिलहाल दो बसों का संचालन किया जा रहा है एवं बहुत जल्द ही इनकी संख्या बढ़ाकर 10 की जाएगी. पिंक बस सेवा महिलाओं के लिए आरक्षित है, जो रोज सुबह 7 बजे से रात 8 बजे तक कचहरी से फिरायालाल चौक होते हुए राजेंद्र चौक तक चलेगी, जिसका किराया मात्र 5 /- रुपये है.

पिंक सिटी बस में कंडक्टर से लेकर खलासी तक की भूमिका में सभी महिलाएं हैं एवं सभी पिंक पोशाक में रहती हैं. जिसमें एक बार में 30 महिला यात्री सफर कर सकती हैं. खास बात यह है कि महिलाओं के साथ-साथ बच्चे भी इसमें सफर कर सकते हैं. निगम द्वारा आगे और भी कई रूटों पर इस तरह की बसें चलाने की योजना बनाई जा रही है.

महिलाओं की माने तो नगर निगम का यह प्रयास सराहनीय है, इससे शहर की महिलाओं को काफी सहूलियत हो रही है. महिलाओं के लिए ऑटो में सफर करना उतना आसान नहीं होता है, लेकिन पिंक बस के चलने से महिलाओं को यात्रा करने में कोई झिझक नहीं होगी और पैसे भी काफी कम खर्च होंगे. पिंक बस सर्विस में कुछ पड़ाव पर पुरुष चालक होंगे जबकि अधिकतर पड़ाव पर महिला चालकों को ही रखा गया है.

नगरीय प्रशासन निदेशालय में 50 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया सफलतापूर्वक संपन्न

नगरीय प्रशासन निदेशालय, नगर विकास एवं आवास विभाग द्वारा 50 पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया. इस हेतु नगरीय प्रशासन निदेशालय की ओर से विभिन्न पदों पर प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अंतर्गत विभिन्न पदों पर नियुक्ति हेतु विज्ञापन जारी किया गया था.

संविदा आधारित पदों पर नियुक्ति हेतु काफी अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था जिसमें प्रमाण पत्रों की जांच उपरांत सही पाये गए अभ्यर्थियों को साक्षात्कार हेतु बुलाया गया व आयोजित साक्षात्कार परीक्षा में अर्जित प्राप्तांक के आधार पर कोटिवार अभ्यर्थियों को अंतिम रूप से सफल घोषित किया गया. नियुक्ति प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही दर्शाते हुए विभाग ने सामान्य, पिछड़ा वर्ग एवं अनुसूचित जाति-जनजाति हेतु आरक्षण का भी प्रावधान किया था. विभिन्न पदों पर नियुक्ति से योजना के क्रियान्वयन में और भी तेजी आएगी. आधुनिक और नए शोध के आधार पर सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना विभाग का कर्तव्य है.

नियुक्ति प्रक्रिया में साक्षात्कार हेतु उपस्थित अभ्यर्थीगन.

क्र. स.	पद	नियुक्तियों कि सं.
1	Assistant MIS Specialist	1
2	Municipal Finance & Account Specialist	3
3	IEC Specialist/ Knowledge Management Specialist	1
4	Town Planning Specialist	3
5	MIS Specialist	42

"महिला आश्रय गृह" की जागरूकता हेतु नुक्कड़ नाटक का आयोजन

आश्रय गृह की विशेषताएं

- असहाय एवं निर्बल जनों के लिए निःशुल्क भोजन कि व्यवस्था
- स्नान एवं शौचालय की सुविधा
- बिजली एवं पानी की सुविधा
- स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था
- फ़र्स्ट ऐड बॉक्स
- मच्छरदानी की व्यवस्था
- खाना बनाने हेतु रसोईघर एवं गैस की व्यवस्था
- रहने के लिए हवादार कमरा
- पर्याप्त अग्नि सुरक्षा

दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत चास नगर निगम क्षेत्र में शहरी महिला बेघरों के लिए महिला आश्रय गृह का संचालन किया जा रहा है.

आश्रय गृह के प्रचार प्रसार एवं लोगों में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से अपर नगर आयुक्त श्री शशि प्रकाश झा के निर्देशानुसार "सहयोगिनी" (निजी संस्था) द्वारा चास नगर निगम क्षेत्र में नुक्कड़ नाटक का आयोजन 4 मार्च 2021 को किया गया. जागरूकता अभियान के दौरान गीत एवं नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को आश्रय गृह की विस्तृत जानकारी दी गई.

सहयोगिनी संस्था के निदेशक श्री गौतम सागर द्वारा बताया गया कि आश्रय गृह, शहरी बेघर महिलाओं के लिए निःशुल्क आवास की व्यवस्था करता है जो कि 24 घंटे खुला रहता है. दीनदयाल अंत्योदय योजना - राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के तहत आश्रय गृह का लाभ रिक्शा चालक, गरीब फुटकर विक्रेता, बेघर महिलाएं, मजदूर वर्ग के लोग एवं फुटपाथ पर रात बिताने वाले व्यक्ति भी ले सकते हैं। यह योजना असहाय लोगों के लिए वरदान साबित हो रही है.

असहायों का सहारा बना आश्रय गृह

मनगो नगर निगम द्वारा संचालित आश्रय गृह.

» खुले आसमान के नीचे सोने वाले असहाय लोगों के लिए मानगो नगर निगम की रेस्क्यू टीम, आश्रय गृह ले जाने के लिए प्रयासरत है

» आश्रय गृह में रहने के लिए उचित बेड, कंबल, मच्छरदानी, बाथरूम, पीने का शुद्ध जल एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं की व्यवस्था है

खुले आसमान के नीचे सोने वाले, चौक चौराहों, दुकान के बाहर सोने वाले, आश्रय विहीन लोगों को आश्रय गृह में आश्रय देने हेतु सरकार की दीनदयाल अंत्योदय-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन योजना है, जो नगर निकाय से संचालित है.

आश्रय विहीन असहाय लोगों को मानगो नगर निगम की रेस्क्यू टीम, आश्रय गृह ले जाने के लिए प्रयासरत है. मानगो नगर निगम की टीम द्वारा रेस्क्यू के दौरान दो असहाय व्यक्तियों राजेश कुमार एवं विजय गोप को दाएगूटू आश्रय गृह में लाया गया. दोनों खुदीराम बोस चौक के पास खुले में सो रहे थे. पूछताछ के दौरान पता चला कि वे पिछले एक दिन से खाना भी नहीं खाए थे और खाली स्थान देखकर सोए हुए थे.

आश्रय गृह आने के उपरांत राजेश कुमार और विजय गोप बताते हैं कि "आश्रय गृह में आने के बाद हम लोगों के जीवन में काफी परिवर्तन आया है, हमलोग बेसहारों के जैसा दर दर भटक रहे थे. आश्रय गृह हम लोगों के लिए वरदान साबित हुआ है. आश्रय विहीन व्यक्ति जो फुटपाथ में या खुले आसमान के नीचे सोते हैं, ऐसे लोगों को सरकार की इस योजना का लाभ अवश्य लेना चाहिए."

आश्रय गृह में कोविड-19 महामारी से संबंधित दिशा निर्देशों का अनुपालन किया जाता है. उक्त स्थान पर रहने के लिए उचित बेड, कंबल, मच्छरदानी, बाथरूम, पीने का शुद्ध जल एवं अन्य मूलभूत सुविधाएं आदि की व्यवस्था है. प्रतिदिन 24 घंटे खुला रहता है, जहाँ कोई भी गरीब व असहाय व्यक्ति, निःशुल्क ठहर सकता है. आश्रय गृहों में रहने वाले लोगों को समय-समय पर सरकार के कल्याणकारी योजनाओं के बारे में प्रशिक्षण दिया जाता है. साथ ही पर्व त्यौहार के मौके पर खाने हेतु मिठाई एवं अच्छे व्यंजन भी दिए जाते हैं.

आश्रय गृह में निवास के दौरान उपस्थित लोग.

फुटपाथ में सोने वाले लोगों को आश्रय गृहों के बारे में दी जाती है जानकारी

कार्यपालक पदाधिकारी के द्वारा बताया गया कि समय-समय पर चौक चौराहों के आसपास माइकिंग/अनाउंसमेंट करते हुए फुटपाथ में सोने वाले लोगों को आश्रय गृहों के बारे में जानकारी दी जाती है. दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन अंतर्गत संचालित आश्रय गृहों में आश्रय विहीन महिलाओं एवं पुरुषों हेतु अलग-अलग व्यवस्था की गयी है. विभाग द्वारा प्राप्त निर्देशों पर नगर निकायों द्वारा निरंतर इन आश्रय गृहों के संदर्भ में समीक्षात्मक बैठक कर जायजा लिया जाता है एवं सफल क्रियान्वयन हेतु दिशा निर्देश दिए जाते हैं. नगर निगम द्वारा इसके तहत शेल्टर मैनेजमेंट कमेटी का गठन किया गया है व नगर निकाय क्षेत्र में आश्रय गृहों के प्रचार प्रसार हेतु कई जगहों पर फ्लेक्स एवं होर्डिंग्स भी लगाए गए हैं. नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड द्वारा आश्रय गृहों को सुविधा युक्त एवं अत्याधुनिक करने हेतु निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं.

नगरीय प्रशासन निदेशालय,
नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार का प्रकाशन

प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध - गिरिडीह शहर

ऊँची पहाड़ियों और खूबसूरत नदियों के बीच स्थित गिरिडीह झारखंड के सबसे आकर्षक एवं उभरते शहरों में से एक है. गिरिडीह का शाब्दिक अर्थ पहाड़ियों और पहाड़ियों की भूमि है - गिरि, एक हिंदी शब्द, जिसका अर्थ है पहाड़ी और डीह शब्द भूमि दर्शाता है.

गिरिडीह का इतिहास काफी पुराना है. सन 1972 में हजारीबाग से विखंडित, गिरिडीह जिला, झारखंड राज्य के उत्तर पश्चिम में स्थित है, जो प्रशासनिक दृष्टिकोण से एक खूबसूरत जिला है. वर्ष 2000 में, जब झारखंड को बिहार से अलग राज्य के रूप में बनाया गया था, तो गिरिडीह का महत्व खनिज समृद्ध क्षेत्र के रूप में कई गुना बढ़ गया. वर्ष 2008 में जनसंख्या के आधार पर इसे नगर परिषद का दर्जा मिला. जिसे वर्तमान में बढ़ती जनसंख्या के फैलाव व अग्रेतर विकासात्मक कार्य हेतु वर्ष 2017 में नगर निगम का स्वरूप दे दिया गया. गिरिडीह जिले के उत्तर में बिहार के जमुई और नवादा जिले, पूर्व में देवघर और जामताड़ा, दक्षिण में धनबाद और बोकारो, तथा पश्चिम में हजारीबाग एवं कोडरमा जिले हैं.

आज गिरिडीह व्यापार और वाणिज्य के लिए उभरते शहर में से एक है. सरकार ने गिरिडीह को सबसे संभावित पर्यटक केंद्रों में से एक के रूप में पहचाना है. तेजी से शहरी विकास और आधुनिकीकरण ने शहर को झारखंड राज्य के प्रमुख शहरों में से एक बना दिया है.

ऐतिहासिक घटनाएँ

1972

छोटा-नागपुर के हजारीबाग जिला से विभाजन होकर गिरीडीह जिले का निर्माण किया गया.

2008

गिरिडीह शहर अंतर्गत नगर परिषद गिरिडीह की नींव रखी गयी.

2017

नगर परिषद गिरिडीह को नगर निगम गिरिडीह का स्वरुप दिया गया.

पर्यटन के क्षेत्र

शहर प्रकृति की गोद में स्थित है जो आगंतुकों के लिए कई दर्शनीय स्थलों का भ्रमण विकल्प प्रदान करता है. यहाँ भक्ति स्थानों का केंद्र भी है जहां साल भर तीर्थयात्रियों का तांता लगा रहता हैं.

पारसनाथ पर्वत : यह जिले में स्थित पहाड़ियों की एक श्रृंखला है. उच्चतम चोटी लगभग 1350 मीटर है. यह जैन धर्म के लिए सबसे महत्वपूर्ण तीर्थस्थल केंद्रों में से एक है. वे इसे सम्मेद शिखर कहते हैं. 23 वें तीर्थंकर पार्श्वनाथ के नाम पर पहाड़ी का नाम पारसनाथ रखा गया है.

खंडोली: गिरिडीह का एक जाना माना पर्यटन क्षेत्र है जहाँ दूर-दूर से लोग घुमने आते हैं. यहाँ की प्राकृतिक छटा लोगों को खूब लुभाती है.

उसरी: नदी बराकर नदी की एक सहायक नदी है, जो गिरिडीह शहर की सुन्दरता को चार चाँद लगाती है.

इसके अलावा हरिहर धाम, दुखीया महादेव मंदिर, झारखंड धाम, श्री कबीर ज्ञान मंदिर, सूर्य मंदिर आदि शहर में भ्रमण के लोकप्रिय स्थान है. राज्य सरकार द्वारा गिरिडीह को प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए जा रहें हैं.

गिरिडीह नगर निगम की मुख्य उपलब्धियां

- अमृत योजना से कुल 5 चिल्ड्रेन पार्क का निर्माण कार्य पूर्ण.
- जलापूर्ति योजना अंतर्गत, जुडको लिमेटेड द्वारा जलमीनार एवं 103 किमी पाइपलाइन का विस्तार कार्य पूर्ण.
- प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) अंतर्गत कुल स्वीकृत 8007 आवासों में 2700 लाभुकों का आवास निर्माण कार्य पूर्ण, शेष प्रगति पर.
- शहरी क्षेत्र ओड़िएफ+ घोषित एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन योजना अंतर्गत नगर निगम क्षेत्र में घर घर कूड़ा उठाव कार्य प्रारम्भ.
- मोतीलेदा में सैप्टिक मैनेजमेंट हेतु सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट (एसटीपी) का निर्माण कार्य पूर्ण.
- 14वें वित मद के तहत नगर निगम क्षेत्र में सड़कों का कालीकरण कार्य एवं दो अदद वेडिंग जोन का निर्माण कार्य पूर्ण.
- बस पड़ाव का सौंदर्यीकरण कार्य पूर्ण.
- विवाह भवन का जीर्णोद्धार कार्य एवं हुट्टी बाजार में अदद दुकान निर्माण एवं पेवर्स ब्लॉक बिछाने का कार्य पूर्ण.

गिरिडीह नगर निगम एक नजर में

- » कुल वार्डो कि संख्या- 36
- » नगर निगम का कुल क्षेत्रफल- लगभग 4853.58 वर्ग किलोमीटर
- » कुल जनसंख्या - 24.5 लाख (जनगणना 2011 के अनुसार)

उप महापौर : श्री प्रकाश राम
उप नगर आयुक्त : श्री रोहित सिन्हा

भूगोल

गिरिडीह जिला छोटा नागपुर पठार में स्थित है और मध्य पठार और निचले पठार के दो प्रमुख प्रभागों में विभाजित है. जिला 24.18 डिग्री उत्तर अक्षांश एवं 86.3 डिग्री पूर्व देशान्तर के बीच में स्थित है. इस शहर की औसत ऊंचाई लगभग 289 मीटर (948 फीट) है. शहर में राज्य की सबसे ऊंची चोटी पारसनाथ हिल्स है. गिरिडीह समुद्र तल से लगभग 4477 फीट की ऊंचाई पर स्थित है. यहाँ का सामान्य जलवायु शुष्क है. जिला घने वनस्पति से ढका एवं प्राकृतिक संसाधनों से काफी समृद्ध है. विशेष रूप से साल और सागवान के जंगलों द्वारा घनी वनस्पतियों से आच्छादित है. बाराकर और सकरी नदियाँ गिरिडीह से होकर बहती हैं और क्षेत्र की जैव विविधता में अत्यधिक योगदान देती हैं. यह एक खनिज समृद्ध क्षेत्र भी है और सबसे अच्छी गुणवत्ता की कोयले की खानें यहाँ मौजूद है. खनिज समृद्ध भूमि में अभ्रक की भी काफी उपलब्धता है.

संरक्षक
श्री हेमंत सोरेन
माननीय मुख्यमंत्री

संपादक
विनय कुमार चौबे
सचिव
नगर विकास एवं आवास विभाग

कार्यकारी संपादक
विजया जाधव
निदेशक
नगरीय प्रशासन निदेशालय,
नगर विकास एवं आवास विभाग

यह बुलेटिन विभाग के कार्यों के प्रति जन जागरूकता के उद्देश्य से प्रकाशित है.

मानगो नगर निगम कार्यालय तंबाकू मुक्त क्षेत्र घोषित

मानगो नगर निगम भवन/ परिसर को तंबाकू मुक्त क्षेत्र घोषित किया गया. इस परिसर/ भवन में किसी भी प्रकार का तंबाकू पदार्थ यथा सिगरेट, बीड़ी, खैनी, गुटखा, पान मसाला व जर्दा इत्यादि का उपयोग पूर्णतः प्रतिबंधित है, पकड़े जाने पर ₹200 का जुर्माने का प्रावधान है. कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि, स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग, झारखंड सरकार के निर्गत आदेश के अनुसार सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम 2003 (कोटपा) के धारा 4 के तहत सभी सार्वजनिक स्थलों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध है. प्रतिबंधित स्थलों पर धूम्रपान निषेध का उल्लंघन करने पर दंड स्वरूप ₹200 तक जुर्माना लगाए जाने का प्रावधान है. कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा मानगो नगर निगम क्षेत्र में अन्य सभी सरकारी कार्यालयों को भी तंबाकू मुक्त क्षेत्र घोषित करने का अनुरोध किया गया.

पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि तंबाकू के सेवन करने वाले व्यक्तियों को हार्ड अटैक, फेफड़े एवं अन्य रोग जैसे गंभीर बीमारी होते हैं. खासकर, युवाओं में तंबाकू के सेवन करने के दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं. 18 वर्ष से कम आयु के व्यक्ति को सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद की बिक्री पर प्रतिबंध, शैक्षणिक संस्थान के एक सौ गज की परिधि में सिगरेट एवं अन्य तंबाकू उत्पाद के विक्रय पर प्रतिबंध हेतु पूरे नगर निगम क्षेत्र में अभियान चलाए जाएगें. इस अवसर पर सीएमएम श्री निर्मल कुमार, नगर प्रबंधक श्री जितेंद्र कुमार ,निशांत कुमार, दिनेश्वर यादव एवं अन्य कार्यालय कर्मी उपस्थित थे.

विकास मूलमंत्र, आधार लोकतंत्र

झारखंड सरकार का वित्तीय वर्ष 2021-22 का कुल बजट रु 91,270 करोड़

प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के लिए रु 360 करोड़

स्मार्ट सिटी मिशन के लिए रु 200 करोड़

शहरी स्थानीय निकाय के लिए रु 165 करोड़

शहरी परिवहन प्रबंधन के लिए रु 110 करोड़

नगरीय प्रशासन निदेशालय,
नगर विकास एवं आवास विभाग, झारखंड सरकार

Follow us on : @JharkhandDMA , Website : dmajharkhand.in

1st Floor, JUPMI Building, Beside H.E.C Headquarter, Dhurwa, Ranchi -834004, Jharkhand